कुल प्रश्नों की संख्या : **8**]
Total No. of Questions : **8**]

[कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : **31**
[Total No. of Printed Pages : **31**

C-232164

विषय : स्टेनो टाइपिंग (हिन्दी / अंग्रेजी)

Subject : Steno Typing (Hindi / English)

समय : **3** घंटे]
Time : **3** Hours]

[पूर्णांक : **100**
[Maximum Marks : **100**

नोट : (i) इस प्रश्न - पत्र में दो खण्ड हैं, खण्ड (अ) और खण्ड (ब) जो एक दूसरे से अलग हैं।

(ii) इन दोनों खण्डों (अ) और खण्ड (ब) के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) खण्ड (अ) जो शॉर्टहैण्ड से संबंधित है, को परीक्षा के अंत तक परीक्षा की पहली घंटी के प्रारंभ से तीन घंटे तक परीक्षार्थियों को नहीं देना है।

(iv) खण्ड (ब) जो टाइपराइटिंग से संबंधित है। इसे परीक्षा की प्रथम घंटी से दो घंटे बाद दिया जाए, इस हेतु एक घण्टे का समय निर्धारित है।

(v) खण्ड (अ) में चार प्रश्न हैं, 1, 2, 3 एवं 4, जिस हेतु क्रमशः 20, 10, 10 एवं 10 अंक निर्धारित है।

(vi) खण्ड (ब) में चार प्रश्न हैं, 5, 6, 7 एवं 8, जिस हेतु क्रमशः 20, 10, 10 एवं 10 अंक निर्धारित हैं।

खण्ड (अ)
(शॉर्ट हैण्ड – हिन्दी)

डिक्टेशनकर्ता हेतु निर्देश :

(i) गद्यांश और पत्र दोनों को 80 शब्द प्रति मिनट की गति से क्रमशः 6.30, 2.30 मिनट एवं 2.30 मिनट तक लगातार बोलना है। साथ ही 100 शब्द की पारिभाषिक शब्दावली 2.30 मिनट में बोलना है।

(ii) चारों आलेखों के मध्य कम - से - कम 3.00 मिनट का विश्राम दिया जाए।

(iii) चारों आलेखों का अनुवाद हिन्दी में स्वयं टाइपिंग या कम्प्यूटर द्वारा किया जाए, जिसके लिए एक घण्टे का समय निर्धारित है।

(iv) चारों आलेखों को परीक्षार्थियों द्वारा शार्टहैण्ड पुस्तिका में पेन या पेंसिल से संकेत लिपि में लिखा जाए। हिन्दी लिप्यांतरण के बाद संकेत लिपि पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका के साथ लगाएँ।

(v) सभी प्रकार के मुख्य-मुख्य चिन्हों तथा कोष्ठक व पैराग्राफों को बोला जाए।

(vi) प्रश्न-पत्र को एक बार तेज गति से परीक्षार्थियों को पढ़कर सुनाया जाए, किन्तु उन्हें कुछ भी नोट करने की अनुमति न दी जाए।

प्रश्न–1. गद्यांश **20**

हर घर कुछ कहता है, इसमें कौन रहता है। कुछ साल पहले एक पेंट कम्पनी का ये स्लोगन काफी मशहूर हुआ था। उसी तरह देखा जाए तो हर सड़क कुछ कहती है, पब्लिक कैसे सहती है। कच्ची सड़क, पक्की सड़क, टेढ़ी सड़क सबकी खासियत एक। उस पर से गुजरते हुए झटके लगेंगे अनेक।

वैसे तो जो सरकार न दे पाए, वे प्राइवेट में लोग अपनाएं, बिजली नहीं तो जनरेटर ले आओ, पानी नहीं तो टैंकर। मगर सड़क का क्या? चाहे उस पर अमीर चलता हो या गरीब, सड़क तो एक ही है। हाल ही में अहमदाबाद - मुंबई राष्ट्रीय महामार्ग पर उद्योगपति साइरस मिस्त्री और उनके सहयात्री दुर्घटनाग्रस्त हुए। मर्सीडीज गाड़ी में होते हुए भी, वो बच न पाए अब कहा जा रहा है उन्होंने सीटबेल्ट नहीं पहनी थी। गाड़ी तेज रफ्तार में थी। लेकिन इसी सड़क पर पिछले नौ महीनों में 262 दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें 62 लोगों की जान गई। लेकिन प्रशासन की आँखें अब खुली है, जब एक जानी मानी हस्ती का निधन हुआ। अब तक सिर्फ जाँच पड़ताल चल रही है मगर इतने हो-हल्ले के बाद आशा है कुछ सुधार भी होगा।

ये विचारधारा सिर्फ सड़कों के मामले में नहीं हर विषय पर विचार-विमर्श चलता रहता है। नतीजा कुछ निकलता नहीं। निजी जीवन में भी हम सोच में ही रह जाते हैं, कुछ सुधार करने से कतराते हैं। जब पानी सर के ऊपर से निकल जाता है, तब हम हाथ पैर मारना शुरू करते हैं।

अब स्वास्थ्य का मामला ले लीजिए। दिल के धड़कने वाली सड़क यानी हमारी आर्टरीज पर हम मनमानी स्पीड पर चलते हैं। जब दुर्घटना हो जाती है तब डॉक्टर का उपदेश हमारे दिमाग पर कुछ असर करता है। फिर करेले का जूस, सुबह शाम सैर और प्राणायाम हम शुरू करते हैं। वैसे जिंदगी एक सफर है सुहाना, लेकिन यहाँ कब गड्ढा हो किसने जाना, जिस तरह अच्छी सड़क बनाने के लिए सही मात्रा में अच्छा मटेरियल चाहिए हमारे शरीर का भी वही हिसाब है। फर्क सिर्फ ये है कि सड़क में कांट्रेक्टर और मिल-जुले नेता लोग हमें धोखा देते हैं, अपनी हेल्थ के मामले में हम अपने आपको धोखा देते हैं।

इसी तरह सफलता भी एक सड़क की तरह है। टॉप पोजिशन में पहुँचने वाले बड़ी-बड़ी गाड़ियों में सफर करते हैं। अपनी उपलब्धि का नशा कुछ ऐसा चढ़ जाता है कि उन्हें कुछ सुध-बुध नहीं रहती। उनके लिए नियम कोई मायने नहीं रखता। चाहे उनकी गाड़ी के नीचे कोई कुचल भी जाए, तो कोई बड़ी बात नहीं। असली गाड़ी की नहीं आचार और व्यवहार की बात कर रही हूँ। देखा जाता है कि सबसे अमीर घरों में नौकरों की सबसे ज्यादा बेइज्जती होती है। उल्टे तरीकों से कमाए हुए पैसों से दान-दक्षिणा दी जाती है। बैंक से लिए कर्ज के सहारे हवा महल खड़े होते हैं। लेकिन एक न एक दिन गाड़ी जवाब देगी और उस दिन वे लोग दुनिया में बिल्कुल अकेले होंगे।

इस सड़क पर और भी वाहन हैं जैसे टू-ह्वीलर और खासकार मोटरसाइकिल वाले। इनका जिक्र मैं इसलिए कर रही हूँ क्योंकि वाहन छोटा है पर शक्ति है बड़ी। तकलीफ ये है कि इनको शार्टकट लेने की आदत है। दो गाड़ियों के बीच अगर छोटा सा गैप है तो उसमें से निकलना जरूरी है। चाहे जान का जोखिम क्यों न हो। मेरी छोटी-सी गाड़ी पर मोटरसाइकिल से कई स्क्रेच भी लगे हैं। पहले गुस्सा आता था, अब लगता है चलो ठीक है। ये लोग शायद जीवन में आगे बढ़ने की आकांक्षा रखते हैं। उनका कोई बॉस होगा जो दो मिनट लेट पहुँचने पर डांटेगा जाने दो। ऐसा करने से मैंने पाया कि मैं खुद अंदर से काफी शांत हो गई।

ये सृष्टि का अद्भुत खेल है, इसमें कोई पास कोई फेल है। मगर चीटिंग करने वालों की हार क्यों नहीं होती। या फिर भगवान को प्यारा वही जिसकी उम्र छोटी।

*****

प्रश्न–2. पत्र **10**

शुल्क मुक्ति के लिए प्रार्थना पत्र

सेवा में,

श्रीमान् प्रधानाचार्य महोदय,

सेन्ट जोसेफ इन्टर कालेज,

बेगमबाग, लखनऊ।

मान्यवर,

निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा 9वीं ब का छात्र हूँ। मेरे पिताजी एक दुकान पर सेल्समैन हैं तथा उनका वेतन दो हजार रूपये मासिक है। मेरे अतिरिक्त दो भाई - बहन भी क्रमशः दसवीं और ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार में कमाने वाले केवल मेरे पिताजी ही हैं, उनके लिए हम तीनों का शिक्षण शुल्क देना संभव नहीं है।

मान्यवर, मैं गत कई वर्षों से विद्यालय की परीक्षाओं में प्रथम आता रहा हूँ। मैंने विद्यालय की खेलकूद प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अनेक पुरस्कार प्राप्त किये हैं। आपसे अनुरोध है कि कृपया पूर्ण शुल्क मुक्ति प्रदान करके कृतार्थ कीजिए, ताकि आर्थिक अभाव मेरी पढ़ाई के बीच बाधक न बन सके और मैं अपनी पढ़ाई जारी रख सकूँ।

इस कृपा के लिए मैं सदैव आपका आभारी रहूँगा।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

विनय कुमार यादव

कक्षा नवीं ब

अनुक्रमांक 181

*****

उत्तर

प्रिय विनय कुमार,

तुम्हें शुल्क से पूर्ण मुक्ति दे दी गई है। तुम्हें विद्यालय की प्रत्येक परीक्षा में उत्तीर्ण होना पड़ेगा। यदि तुम किसी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गये तो तुमसे यह सुविधा छीन ली जायेगी। अतः यथाशक्ति पूर्ण परिश्रम करना।

उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ।

हितैषी

पी.के.शर्मा

प्रधानाचार्य

*****

प्रश्न–3. पत्र 10

15 बी. नारायण सदन,

कौशलपुरी, रायपुर (छ.ग.),

दिनांक 26 मई, 2017

सेवा में,

सम्पादक,

'नवभारत टाइम्स' दैनिक,

नई दिल्ली।

महोदय,

आपके सम्मानित दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से नगरपालिका एवं जिला प्रशासनिक अधिकारियों का ध्यान इस नगर में व्याप्त पानी की सप्लाई की अव्यवस्था की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ, पिछले दो सप्ताह से यहाँ पानी की बड़ी समस्या हो गई है। न्यून पूर्ति के कारण नलों में पानी बहुत कम मात्रा में आता है, जो नल ऊँचाई पर हैं उनमें पानी आता ही नहीं है। सार्वजनिक नलों पर काफी भीड़ होती है, एक बाल्टी पानी के लिए भी घण्टों समय बर्बाद करना पड़ता है। कुछ मुहल्लों में प्रातः केवल दो घण्टे मात्र पानी की सप्लाई होती है, दोपहर एवं सायं को सप्लाई कतई बन्द है। रात को दो बजे एक घण्टा मात्र पानी की सप्लाई है, फलतः नींद को त्यागकर लोगों को पानी एकत्र करना पड़ता है।

जलकल विभाग के कर्मचारियों से सम्पर्क करने पर कोई सन्तोषजनक उत्तर नहीं मिलता है। कर्मचारी बात को लापरवाही से टाल देते हैं। इस सन्दर्भ में अधिकारी वर्ग से निवेदन है कि नगरवासियों की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए जलपूर्ति की उचित व्यवस्था कराने की कृपा करें, ताकि नगरवासियों की जल संबंधी समस्या का समाधान हो सके।

भवदीय

हस्ताक्षर

(हरि किशोर पुष्कर)

*****

प्रश्न–4. पारिभाषिक शब्दावली : **10**

साझीदार, नाम लेखा, खाताबही, डबल एन्ट्री सिस्टम, प्राइवेट कम्पनी, पासबुक, बीमा-पालिसी, हानि लाभ, बोनस, करेन्ट एकाउन्ट, आमदनी, लिमिटेड, साहित्य परिषद, मजदूर दल, प्रभाव रहित, पुलिस विभाग, लाभदायक, दैनिक, आकाश - पाताल, सोच-विचार, स्वर्ग - नरक हो जाती है, अधिक से अधिक, चाहने वाले, सबसे पहले, समय समय पर, पहले पहल चला करता है, क्या करता है, सब तरह से, चाल - चलन, समीप, लिफाफा, जन्म स्थान, डगमगाना, निमंत्रण, समाचार-पत्र, नौजवान, संस्कार, महापुरुष, प्रतिष्ठित, जान-पहिचान, स्वाभिमान, मातृभूमि, शुभकामना, भारत सरकार, राज्यपाल, संसद सदस्य, प्रेसीडेन्ट, उपाध्यक्ष, न्याय सदस्य, कृषिमंत्री, मुख्य सचिव, योजना विभाग, शिक्षा विभाग, कलेक्टर, मजिस्ट्रेट, लेखापाल, जिलाधीश, दरोगा, कालेज, हेडमास्टर, शिक्षा-प्रणाली, एजेन्ट-जनरल, पोस्टकार्ड, तारघर, मनीआर्डर, रजिस्ट्री, डाकिया, स्टेशन मास्टर, मालबाबू, टिकट, बेडन-पावेल, स्काउट-मेला, शेर-बच्चे, सूबेदार, थानेदार, कैप्टेन, प्रचार समिति, मुनीम परीक्षा, राष्ट्रभाषा हिन्दी, साहित्य समिति, राष्ट्रदल, नौकरशाही, सहकारी साख समिति, होम्योपैथिक, नर्सेस, पैसेंजर ट्रेन, लेटर बाक्स, काश्तकार, हाईकोर्ट, सेशन-जज, प्रतिभूति-पत्र, साहित्य सदन, साहित्यिक, पर्यावरण संतुलन, पवित्र-ग्रंथ।

*****

Section – A

(Shorthand – English)

Instruction to the teacher for dictation :

(i) Ans. Nos. 1 to 4 of Section – A are to be first read before the examinees and then dictated at a uniform speed of 80 words per minute for transcription by the examinees. Simple reading may take 6.30 minutes at the speed of 80 words per minute in matter and 2.30 minutes for the letters and 2.30 minutes for the terminology.

(ii) Examiners should transcript in shorthand notebook or transcription sheet with pen or pencil.

(iii) All punctuation marks, brackets and paragraphs are to be dictated.

(iv) Shorthand notebook should be attached to the transcription sheet or answer book.

(v) Let the translate of matter, letter and terminology in English through typewriter or computer, minimum time is one hour.

Q. 1. Passage : **20**

In a major boost to Indian Air Force fighter jet squadron, five Rafale fighter jets inducted into IAF on 10th September, 2020. These fighter jets have been

inducted into IAF's Squadron 17. The inductions was performed by Union Defence Minister Rajnath Singh and his French counterpart Florence Parly. These fighter jet can carry three times more payload than the current Tejas jet. The Rafale fighter jet is important for strengthening the military capabilities of India. It is significant for providing a strategic advantage to India's military in its currently disturbed nighbourhood.

The fighter jets, built by French Aviation firm Dassult took off from the Merignac Air Base in Southern France's Bordeaux and reached Ambala Air Base on 29th July, 2020. It covered a distance of about 7000 km from France to India with air to air refuelling and a single stop at the French Air Base in the United Arab Emirates. It was a moment of extraordinary pride the the IAF pilots who brought the Rafale fighter aircrafts to India from France.

The pilots include Group Captain Harkirta Singh who is the commanding officer of 17 squadron of IAF Group Captain R. Karatia, Wing Commander Abhishek Tripathi, Wing Commander Manish Singh, Wing Commander Siddhu and Wing Commander Arun. The touchdown of Rafale combat aircrafts in India

marks the beginning of a new era in military history of India. The first squadron has been readied in the Ambala Air Base whereas the second on will be readied in the Hasimara Air force station in West Bengal.

In August, 2007 Ministry of Defence, under the then United Progressive Alliance government issued a request for proposal to procure 126 Medium Multirole Combant Aircraft fighters. After four years, in May, 2011 Air Force shortlisted Rafale and Eurofighter jets. Dassault Aviation of France came up with the lowest bid in January, 2012 after which a Work Share Agreement was signed between Hindustan Aeronautics Limited and Dassult Aviation of France under the 2014 Agreement between the two, the work to build 108 aircrafts was shared in the ratio of 70 percent and 30 percent between the two organizations respectively. The remaining 18 aircrafts were to be imported into India in a fly away condition. However, India and France were unable to decide the price of the aircraft.

In 2015, Under the present Prime Minister visited Paris in April 2015 and announced a decision to buy 36 Rafale fighters via a government-to-government deal. French President Francois Holland visited India in January, 2016 and a

Memorandum of Understanding on purchase of Rafale jets is signed between India and France for $7.8 billion 59,000 crore. In this deal Hal was replaced by Reliance Defence Limited as the offset partner in the deal.

The present deal was criticised by the political parties on the basis of the higher prices of the current deal. The criticism was based on the promise that under the government, the price of one aircraft was only 629 crores. Whereas under the present government, the price has gone up to nearly 1611 crores. The Rafel aircraft will be important for India as it is presently facing a two-front war from both China and Pakistan.

*****

Q. 2. Letter : **10**

315, F Block,

Happy Gardens,

New Colony,

Delhi.

18 April, 2016

To,

The Chief Engineer,

Municipal Corporation,

Delhi.

Subject : Construction of speed breakers in the colony

Sir

It is stated that Happy Gardens Colony is purely a residential one. But it has become a thor-ough fare for all kind of vehicles. A large number of vehicles pass through the colony day and night. This has posed a big problem of noise pollution. Also these cause accidents. The children can't play as freely as they could. Even crossing the road has been very risky. All the residents are greatly terrified due to this reason.

In the circumstances, you are requested to kindly construct speed breakers as appropriate place on road. This will check the possibility of accidents.

Thanking you

Yours faithfully

Sumit Arora

*****

Q. 3. Letter : **10**

131, Noor Nivas,

Mayur Vihar, Phase I,

Delhi.

10 August, 2016

To,

The Commissoner,

Municipal Corporation,

New Delhi

Subject : Monkey menace in Mayur Vihar

I wish to invite your kind attention to monkey menace in this colony. A large number of monkeys wander on the rooftops of this colony. They sit and growal at children. They scare women when the latter go for hanging their clothes to dry. A few of them have been bitten by some monkeys. Only yesterday an old woman feel down from the roof of her house when a group of monkeys attacked her. These monkeys steal eatables. They attack anyone who dares them. Consequently, they have become a great problem.

You are requested to hire monkey catchers and ride the colony of this menace.

Thanking you

Yours faithfully

Mahuri Manohar Singh

*****

Q. 4. Terminology **10**

Legal estate, Power of attorney, trust funds, Your worship, atonement, covenant, Methodism, Nonconformity, Old Testament, Roman catholic, administaratrix, defective, Attention, Capital, colonel, society, Account sales, bill of lading, additional cost, I regard, Your favour, respectfully, yours faithfully, Freedom if trade, Hon member, Houses of parliament, Labour party, Lord of the treasury, Postmaster general, United states, bank note, bank post bill, London on the policy, personal injury, situation of the lift, London office of the bank, remit proceeds of bill, Electric current, energy current, block signal, Free charge, high voltage, primary coil, Secondary coil, break down plan, dining car, King's Cross station, main line, railway manager, National bank, official mark, private mark, National finance, National society, Site Valuation, Livberal Club, better, I shall arrange, Railway facilities, Lupin Limited, railway time, Long exchange, negotiable instrument, paying in slip, Town cheque, bearer shares, exdividend, Letter of reget, stake and share market, yield per ton, Fire insurance, interim bonus, damage by fire, Judgement, deed of trust, High Court of justice, Political party, professor morgan, bank bills, Bank rate, Finance Bill, Chancery appeal, Journal of Commerce, Barbe & Co., Celivery com., Capital, French Government, Low valuation, Military, Legal Authority, Colonel jackosh.

खण्ड (ब)

(हिन्दी टाइपराइटिंग)

नोट : इस खण्ड में चार प्रश्न है – 5, 6, 7 एवं 8 जिस हेतु क्रमश 20, 10, 10 एवं 10 अंक निर्धारित हैं।

प्रश्न–5. निम्नलिखित गद्यांश को टाइप नियमों का पालन करते हुए टाइप कीजिए : 20

पर्यावरण प्रदूषण एक गंभीर समस्या का रूप ले चुका है और इसके साथ मानव समाज के जीवन-मरण का महत्वपूर्ण प्रश्न जुड़ गया है। हमारा दायित्व है कि समय रहते ही इस समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठायें। यदि इसके लिए आवश्यक उपाय नहीं किये गये तो प्रदूषणयुक्त इस वातावरण में मानव जाति का अस्तित्व संकट में पड़ सकता है। आज मनुष्य अपनी सुख सुविधा के लिए प्राकृतिक सम्पदाओं का अनुचित रूप में दोहन कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप ही प्रदूषण की समस्या सामने आई है।

सबसे पहले हमारे सामने यह प्रश्न उपस्थित होता है कि प्रदूषण है क्या चीज ? जलवायु एवं भूमि के भौतिक, रासायनिक या जैविक गुणों में होने वाला कोई भी अवांछनीय परिवर्तन प्रदूषण है। एक ओर दुनिया तेजी से विकास कर रही है, जिन्दगी को सजाने-सँवारने के नये तरीके ढूँढ़ रही है, दूसरी ओर वह तेजी से प्रदूषित होती जा रही है। इस प्रदूषण के कारण जीना दूभर होता जा रहा है। आज आसमान जहरीले धुएँ से भरता जा रहा है। नदियों का पानी गंदा होता जा रहा है। सारी जलवायु, सारा वातावरण दूषित हो गया है। इसी दूषित वातावरण का वैज्ञानिक नाम है – प्रदूषण या पॉल्यूशन।

आज सारे विश्व के समक्ष जनसंख्या की वृद्धि सबसे प्रमुख समस्या है और पर्यावरण प्रदूषण में जनसंख्या की वृद्धि ने भी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है। औद्योगीकरण के कारण

वायुमंडल प्रदूषित हो रहा है। साथ ही मोटरों, रेलगाड़ियों आदि से निकलने वाले धुएँ से भी पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। इनके कारण साँस लेने के लिए शुद्ध वायु का मिल पाना कठिन है।

वायु के साथ-साथ जल भी प्रदूषित हो गया है। नदियों का पानी दूषित करने में कारखानों का सबसे बड़ा हाथ है। कारखानों का सारा कूड़ा-कचरा नदी के हवाले कर दिया जाता है, बिना यह सोचे कि इनमें से बहुत कुछ पानी में इस प्रकार घुल जायेगा कि मछलियाँ मर जायेंगी और मनुष्य पानी नहीं पी सकेंगे।

मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि प्रदूषण इसी गति से प्रभावी होता रहा तो सौ वर्षों के पश्चात् वायुमण्डल इतना विषाक्त हो जायेगा कि इस धरती पर प्राणी मात्र का जीवन असंभव हो जायेगा। जल, थल तथा वायु प्रदूषण के साथ अन्तरिक्ष भी प्रदूषित हो रहा है। अन्तरिक्ष में मानव युक्त और मानवरहित उपग्रहों का मलबा इसका प्रमुख आधार है। ओजोन परत में छिद्र विश्व के वैज्ञानिकों तथा वैचारिकों के लिए चिन्ता का विषय है।

आज सारा परिवेश विषाक्त हो गया है, सारी मानवता संकट में है। अनेक प्रकार की बीमारियों का जन्म हो रहा है। इसे रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाना अनिवार्य है। प्रदूषण की समस्या वैसे तो विश्वव्यापी समस्या है, लेकिन भारतीय प्रदूषण की कुछ अपनी विशिष्ट समस्याएँ भी हैं जिनको नियंत्रित कर पाना संभव नहीं है। फिर भी कुछ प्रयास अवश्य ही किये जा सकते हैं। वायु प्रदूषण को रोकने के लिए चिमनियों में फिल्टर लगाये जायें, जो प्रदूषणकारी तत्वों को वायुमण्डल में प्रविष्ट न होने दें।

*****

प्रश्न–6. पत्र को नियमतः टाइप करें : **10**

संख्या : 436 / टी–3 / ए–1 / 2016

प्रेषक,

श्री रेवती रमण सिंह,

आयुक्त एवं सचिव

राजस्थान सरकार।

सेवा में,

समस्त विभागाध्यक्ष तथा प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष, राजस्थान।

नियुक्ति अनुभाग–5 जयपुर, दिनांक 28 दिसम्बर, 2016

विषय : राज्य सेवा कर्मचारियों की चरित्र पंजी में वार्षिक प्रविष्टि अंकित करने के लिए न्यूनतम समय का निर्धारण।

महोदय,

1. मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि शासन के कार्यालय ज्ञापन संख्या .... दिनांक .... के पैरा 2 में उल्लेखित निर्देशों के अनुसार यदि किसी प्रविष्टिकर्ता ने अपने अधीनस्थ सरकारी कर्मचारी का कार्य तीन माह से कम देखा हो तो उसे वार्षिक प्रविष्टि नहीं देना चाहिए। शासन ने यह निर्णय लिया है कि भविष्य में प्रविष्टि अंकित करने के लिए यह आवश्यक होगा कि प्रविष्टि के वर्ष में संबंधित राज्य कर्मचारी का कार्य कम-से-कम तीन माह तक अवश्य देखा हो।

2. शासन के कार्यालय ज्ञापन संख्या .... दिनांक .... में, जिसकी एक प्रति संलग्न है यह स्पष्ट किया गया था कि विशेष परिस्थितियों में प्रविष्टि देने के लिए तीन माह का नियम लागू नहीं होगा, यदि प्रविष्टि में कार्य का सामान्य निर्धारण न किया गया हो, वरन् उसमें विशिष्ट तथ्यों का उल्लेख हो, यह आदेश यथावत् लागू रहेंगे।

संलग्न – एक

भवदीय

ह0 ....

(रेवती रमण सिंह)

आयुक्त एवं सचिव

*****

प्रश्न–7. टाइप नियमों का पालन करते हुए टाइप कीजिए। **10**

उत्तर प्रदेश शासन

प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय

श्रम विभाग

पत्रांक : प्रवेश / 011 / में / 437 दिनांक 7 अगस्त, 2016

<u>**ज्ञापन**</u>

आपके आवेदन-पत्र पंजीकरण संख्या 3165 के सन्दर्भ में अवगत कराया जाता है कि आपका चयन इलेक्ट्रिशियन व्यवसाय में वरिष्ठता सूची के आधार पर किया गया है। यदि आप प्रवेश लेने हेतु इच्छुक हों तो आप दिनांक 13 अगस्त, 2016 सायं 5 बजे तक अपना प्रवेश अवश्य ले लें। इसके उपरान्त रिक्त स्थानों की पूर्ति प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों से कर ली जाएगी। प्रवेश हेतु अधोलिखित औपचारिकताएँ आवश्यक हैं –

1. शैक्षिक योग्यताओं के मूल प्रमाण पत्र / अंक तालिकाएँ
2. आरक्षित वर्ग तथा अतिरिक्त अंक के लिए आवश्यक प्रमाण पत्र
3. चरित्र प्रमाण पत्र
4. किसी राजकीय चिकित्सक (जो सहायक सर्जन से कम न हो) द्वारा प्रदत्त स्वस्थता प्रमाण पत्र
5. पासपोर्ट साइज के दो छायाचित्र (फोटो)

6. कॉशनमनी रु. 50 (पचास रूपये मात्र)

7. माह अगस्त का प्रशिक्षण शुल्क रु. 40 (चालीस रूपये मात्र)

अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति को छोड़कर

ज्ञातव्य है कि विलम्ब से आने अथवा विलम्ब से सूचना प्राप्त होने का उत्तरदायित्व संस्थान का नहीं होगा। इस यात्रा हेतु कोई भत्ता देय नहीं होगा।

हस्ताक्षर

(ओंकारनाथ वर्मा)

प्रवेश प्रभारी

सेवा में,

श्री अभिषेक सिंह

365–बी अल्लापुर,

प्रयागराज (उ.प्र.)।

*****

प्रश्न–8. टाइप नियमों का पालन करते हुए तालिका को टाइप कीजिए : 10

(भारत की प्रमुख उपज के आंकड़े)

(हजार टनों में)

फसल	**1999–2000**	**2000–2005**	**2006–2010**	**2010–2015**
ज्वार	900	707	175	86
बाजरा	3970	157	200	297
चावल	305	207	28	29
जौ	410	307	38	39
गेंहूँ	270	204	25	26
चना	111	800	90	96
अरहर	504	580	52	53
मसूर	805	150	80	45
उड़द	675	75	85	60
गन्ना	793	200	105	81

*****

Section – B

(English – Typewriting)

Q. 5. Type the following passage : **20**

The Nobel Prize is widely considered as the most prestigious award given for exemplary contribution to humanity in the field of Physics, Chemistry, Medicine, Literature, Economics and Peasce. It is awarde annually by Swedish and Norwegian Institutions, according to the will establish by Swedish inventor and industrialist Alfred Bernhard Nobel in 1895 in his will. Nobel instructed that the majority of his funds should be set aside for awarding prizes to those who, during the preceding year, shall have conferred the greatest benefit on mankind.

The Nobel prizes, initially a set of five awards, were first award in 1901. An additional award, the Sevriges Riksbank Prize in Economic. Sciences was established in 1968 by the Bank of Sweden and was first awarded in 1969. It is also presented at the Nobel Prize Award ceremony. The Royal Swedish Academy of Science awards the Nobel Prize in Physics, Chemistry and Economics. The Nobel Assembly at Karolinska Institute Awards the Nobel Prize

in Physiology or Medicine. The Swedish Academy grants the Nobel Prize in Literature. The Norwegian Nobel Committee based in Oslo confer the prize for Peace.

The Nobel Prize nomination and selection process is long and rigrous. This is an important reason why the prizes have grown in importance and prestige over the years to become the most important prizes in their field. Unlike many other awards, the Nobel Prize nominees are never publicly announced and they are not supposed to be told that they were ever considered for the prize.

After the nomination deadline, a committee compiles and writes a report with recommendations and sends it to the academy or other corresponding institution. Depending on the category of the prize, the members of the institution then vote to select the winner. Posthumous nominations for the Prize have been disallowed since 1974. Only in two cases the prize has been awarded posthumously to people who were nominated when they were still alive. This was the case with UN Secretary General Dg Hammarskjold and Erik Axel Karlfeldt both of them were awarded the prize in the years they died.

The prize ceremonies take place annually in Stockholm, Sweden except for the Peace prize which is held in Oslo Norway. Each recipient, or laureate, receives a gold medal, a diploma and a sum of money that has been decided by the Nobel Foundation. 10 milion or abouts US$ 1.1 million.

Physics The 2020 Nobel Prize in Physics was announced by Royal Swedish Academy of Science on 6th October, 2020. The award in physics was given to three astrophysicists Roger Penrose from UK Reinhard Genzel from Germany and Andrea Ghez from USA.

*****

Q. 6. Type the following letter : 10

HAR BILAS & SONS

Nawabganj, Kanpur

5th Feb., 2012

M/s. Chand Ram & Brothers,

Swadeshi Toys Home,

Ghatia Azam Khan Agra-2

Dear Sir

We have pleasure to introduce ourselves as your old customer of toys. We gave you a good business year before last in toys manufactured by you having sold them for about Rs. 20,000. For some reasons beyond our control we could not find it possible to arrange the sales and could not place order with you for the supply of same. But this year we have decided to come in the field again and would expect your to favour us with special consideration for our orders as you did years before last.

Kindly book order for the supply of toys as per details given below :

(i)	Plastic toys of different kinds and sizes	Rs. 15,000
(ii)	Paper toys of different kinds and sizes	Rs. 12,000

(iii)	Glass toy of different kinds and sizes	Rs. 10,000
(iv)	Clay toys of different kinds and sizes	Rs. 5,000
	Total	**Rs. 42,000**

Please see that the toys are properly packed and deliver them to our destination for as before. Your firm will bear the responsibility for any damage due to breakage etc.

A prompt response is awaited.

Yours faithfully

Sd. Ram Nivas

For, Har Bilas & Sons

Nawabganj, Kanpur

*****

Q. 7. Type the following letter : **10**

Nirvachan Sadan,

Ashoka Raod,

New Delhi 110001,

Dated : 26 March, 2016

No. 576 / 10.012 - Judl–II

To,

The Chief Electoral Officers of

All State and Union Territories,

(Except Jammu & Kashmir)

Subject : Issue of photo identity cards to candidates and election agents.

Sir,

1. I am directed to invite your attention to para 8.1. and 8.2 of Chapter VII of the Handbook for Returning Officers (2016 repring – page 91). Where in it has been directed that each contesting candidate should be issued with and identity card in the format prescribed under the said para 8.1.
2. At present, the candidate's identity card does not bear any photograph of the candidates. There for there may be difficulty in establishing the identity

of the candidate and there is also scope for misuse of that card by impersonation for a candidate.

3. The commission has decided that in all future elections the identity cards issued to contesting candidates shall bear their photographs. For this purpose, all candidate should be instructed by the Returning Officer to furnish two copies of their recent photographs as soon as the list of contesting candidates if finalised of the last date for withdrawal of candidates.

4. All Returning Officers and other election authorities concerned in the matter should be informed of the above directions of the commission immediately for their information and strict compliance at all future elections.

5. These directions of the Commission should also be given wide publicity among the political parties, candidates etc.

6. Kindly acknowledge receipt.

Your faithfully,

(S.K. Mendiratta)

Principal Secretary

Q. 8. Type the following tabular statement : **10**

Blood Pressure

(Normal range of Arterial Pressure)

Age	Men		Women	
16-19	105-135	60-86	100-130	60-85
20-24	105-140	62-88	100-130	60-85
25-29	108-140	62-90	102-130	60-86
30-34	110-145	68-92	102-135	60-88
35-39	110-145	68-92	105-140	65-90
40-44	110-150	70-94	105-150	65-92
45-49	110-155	70-96	105-155	65-96
50-54	115-160	70-98	110-165	70-100
55-59	115-175	70-98	110-170	70-100
60-65	115-175	70-100	115-175	70-100